भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 02 अक्टूबर, 2025
जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में गहरे दबाव के प्रभाव के कारण, आज 02 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश में, तथा 03 और 04 अक्टूबर को बिहार में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
(ii) एक नया तीव्र पश्चिमी विक्षोभ 05 से 07 अक्टूबर के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा का कारण बनने की संभावना है, जिसकी चरम तीव्रता 06 अक्टूबर को होगी।

पिछले 24 घंटों में 02 अक्टूबर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- **अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी)** झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई है।
- **भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी)** असम, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई है।
- **भारी वर्षा (7-11 सेमी)** त्रिपुरा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय कर्नाटक के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की रेखा 20°N/69°E, वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर और 30°N/81°E से होकर गुजर रही है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- पूर्व-मध्य कल का पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र 01 अक्टूबर 2025 को 1130 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक दबाव में बदल गया। यह आज 0530 बजे IST पर पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में गहरे दबाव में बदल गया और आज 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 02 अक्टूबर की रात तक गोपालपुर और पारादीप के बीच ओडिशा और आसपास के आंध्र प्रदेश तटों को पार करने की बहुत संभावना है।

- कल का उत्तर-पूर्व अरब सागर और आसपास के सौराष्ट्र तट पर स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र 01 अक्टूबर 2025 को 1730 बजे IST पर उत्तर-पूर्व अरब सागर में एक दबाव में बदल गया और आज 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। इसके अगले 3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम की ओर उत्तर-पश्चिम अरब सागर की ओर बढ़ने की संभावना है।
- मध्य उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ऊपरी हवा चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- उत्तर-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ऊपरी हवा चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- अरुणाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ऊपरी हवा चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- एक नया पश्चिमी विक्षोभ 04 अक्टूबर 2025 से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उत्तर-पश्चिम भारत में निचले क्षोभमंडल स्तर पर 05 से 07 अक्टूबर 2025 के दौरान उच्च नमी की आपूर्ति होने की संभावना है। इस प्रणाली के साथ हवाओं के संगम और उच्च नमी के कारण, उसी अवधि के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ ओलावृष्टि की संभावना है, जिसकी चरम तीव्रता 06 अक्टूबर 2025 को होगी।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- छत्तीसगढ़ और ओडिशा में 02 अक्टूबर को, बिहार में 03 और 04 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना।
- विदर्भ में 02 अक्टूबर को; पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 02 से 04 अक्टूबर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 02 से 06 अक्टूबर; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड में 02 से 05 अक्टूबर; बिहार में 02 से 07 अक्टूबर; ओडिशा में 02 और 03 अक्टूबर को अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 02 और 03 अक्टूबर को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 03 अक्टूबर को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 03 से 05 अक्टूबर; बिहार में 02 से 05 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना।
- ओडिशा में 02 अक्टूबर को तूफान और तेज हवाएँ (गति 50-60 किमी/घंटा); गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 02 और 03 अक्टूबर को (गति 40-50 किमी/घंटा); उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले 3 दिनों तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 04 से 06 अक्टूबर; ओडिशा में 03 अक्टूबर; बिहार में अगले 7 दिनों तक; झारखंड में अगले 5 दिनों तक तेज हवाएँ (गति 30-40 किमी/घंटा) की बहुत संभावना।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सप्ताह के दौरान 05 और 06 अक्टूबर को छोड़कर कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। असम और मेघालय में सप्ताह के दौरान 06 और 07 अक्टूबर को छोड़कर, और 03 अक्टूबर को असम और मेघालय में बहुत भारी वर्षा की संभावना।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 02 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना।
- तमिलनाडु में 02 से 05 अक्टूबर, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 02 और 03 अक्टूबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 02 अक्टूबर को भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 02 और 03 अक्टूबर को तेज सतही हवाएँ (गति 50-60 किमी/घंटा); तेलंगाना में अगले 5 दिनों तक तेज हवाएँ (गति 30-40 किमी/घंटा) की बहुत संभावना।
- तमिलनाडु में 02 अक्टूबर को गर्म और आर्द्र स्थिति बने रहने की संभावना।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 04 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना।
- उत्तर-पश्चिम भारत में 02 से 04 अक्टूबर तक अलग-अलग/बिखरी हुई वर्षा और उसके बाद 05 से 08 अक्टूबर तक तूफान और बिजली के साथ काफी व्यापक से व्यापक वर्षा की बहुत संभावना।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में 05 से 07 अक्टूबर; पूर्वी उत्तराखंड में 02, 06 और 07 अक्टूबर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 06 और 07 अक्टूबर; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 02 से 05 अक्टूबर; पश्चिमी राजस्थान में 05 और 06 अक्टूबर; पूर्वी राजस्थान में 06 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 06 अक्टूबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 03 से 05 अक्टूबर को बहुत भारी वर्षा की संभावना।
- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब में 05 और 06 अक्टूबर को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 06 अक्टूबर को अलग-अलग ओलावृष्टि की संभावना।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 03 और 04 अक्टूबर को तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी/घंटा); जम्मू-कश्मीर में 04 से 08 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश में 05 से 07 अक्टूबर; पश्चिमी राजस्थान में 05 और 06 अक्टूबर; पूर्वी राजस्थान में 06 अक्टूबर को तेज हवाएँ (गति 30-40 किमी/घंटा) की बहुत संभावना।

पश्चिम भारत:

- सौराष्ट्र और कच्छ में 02 अक्टूबर को अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ भारी वर्षा की संभावना।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को 02 अक्टूबर से 05 अक्टूबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- उत्तर-पूर्व अरब सागर, उत्तर-पश्चिम अरब सागर के आसपास के क्षेत्र और उत्तरी गुजरात तट के साथ और उससे दूर 03 अक्टूबर तक; पश्चिम-मध्य अरब सागर और पूर्व-मध्य अरब सागर के आसपास के क्षेत्र 02 से 05 अक्टूबर तक।

बंगाल की खाड़ी:

- पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश-ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों के साथ और उससे दूर 03 अक्टूबर की शाम तक।

ii. 02 से 05 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों में आज, 02 अक्टूबर को 0830 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में) (≥ 7 सेमी):

- **झारखंड**: राजदह (जिला धनबाद) 21, नंदाडीह (जिला गिरिडीह) 14, करमटांड़ (जिला जामताड़ा) 14, सिकटिया (जिला देवघर) 11, गिरिडीह (जिला गिरिडीह) 11, नारायणपुर (जिला जामताड़ा) 10, चंदवा (जिला लातेहार) 9, लोहरदगा केवीके AWS (जिला लोहरदगा) 9, शिलाईचक (जिला चतरा) 9, ZRS दुमका (जिला दुमका) 8, बरकीसुरिया (जिला गिरिडीह) 8, गोविंदपुर DVC (जिला धनबाद) 8, जामताड़ा (जिला जामताड़ा) 7, दुमरी (जिला गिरिडीह) 7, जामताड़ा FMO (जिला जामताड़ा) 7, पलगंज (जिला गिरिडीह) 7।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बक्सादुआर (जिला अलीपुरद्वार) 19, चालौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 14, रोंगो (जिला कालिम्पोंग) 13, झालोंग (जिला कालिम्पोंग) 11, इंडोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी)

9, ज़ुर्रानटी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8, सुभासिनी टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7, हसीमारा (जिला अलीपुरद्वार) 7, सूनगाछी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7, पटकापारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7।

- **असम**: हाजो ARG (जिला कामरूप (ग्रामीण)) 13, सुअलकुची ARG (जिला कामरूप (ग्रामीण)) 7।
- **बिहार**: बरौनी (जिला बेगूसराय) 16, बांद्रा (जिला मुजफ्फरपुर) 13, अलौली (जिला खगड़िया) 13, बथनाहा (जिला सीतामढ़ी) 13, हायाघाट (जिला दरभंगा) 13, वारिसनगर (जिला समस्तीपुर) 12, बरबीघा (जिला शेखपुरा) 11, छौराही (जिला बेगूसराय) 11, खगड़िया (जिला खगड़िया) 11, बखारी (जिला बेगूसराय) 10, चेरिया बी.पुर 1 (जिला बेगूसराय) 10, पूसा (जिला समस्तीपुर) 10, दुमरी (जिला श्योहर) 9, भगवानपुर (जिला वैशाली) 9, गढ़पुरा (जिला बेगूसराय) 8, सरायरंजन (जिला समस्तीपुर) 8, जयनगर (जिला मधुबनी) 8, बिंद (जिला नालंदा) 8, रहुई (जिला नालंदा) 8, पतोरी (जिला समस्तीपुर) 8, पंडारक (जिला पटना) 8, मधवापुर (जिला मधुबनी) 7, हसनपुर (जिला समस्तीपुर) 7, बैटूंथपुर (जिला गोपालगंज) 7, भगवानपुर (जिला बेगूसराय) 7, अंधराठाढ़ी (जिला मधुबनी) 7, कामतौल (जिला दरभंगा) 7, जाले (जिला दरभंगा) 7, रोसड़ा (जिला समस्तीपुर) 7, बसंतपुर (जिला सिवान) 7, दलसिंगसराय (जिला समस्तीपुर) 7, आर्यारी (जिला शेखपुरा) 7, सोनबरसा (जिला सीतामढ़ी) 7, एकंगरसराय (जिला नालंदा) 7, शिवजीनगर (जिला समस्तीपुर) 7, विद्यापति नगर (जिला समस्तीपुर) 7।
- **तटीय आंध्र प्रदेश**: मडुगुला (जिला अनकापल्ली) 13।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: निचलौल (जिला महराजगंज) 12, बांसगांव (जिला गोरखपुर) 11, ढनघटा (जिला संत कबीर नगर) 10, गोरखपुर (जिला गोरखपुर) 9।
- **ओडिशा**: बहंगा (जिला बालासोर) 11, बालासोर (जिला बालासोर) 9, सोरो (जिला बालासोर) 9, नीलगिरि (जिला बालासोर) 9, भोगराई (जिला बालासोर) 8, कृष्णप्रसाद (जिला पुरी) 8, NH5 गोविंदपुर (जिला बालासोर) 8, हटडीही (जिला केंझरगढ़) 7, जाजपुर PTO (जिला जाजपुर) 7, जाजपुर (जिला जाजपुर) 7।
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: नौरोजाबाद (जिला उमरिया) 10, बुढार (जिला शहडोल) 9, पाली (जिला उमरिया) 8, रायपुरा (जिला पन्ना) 7, जबलपुर-AWS (जिला जबलपुर) 7।
- **त्रिपुरा**: सबरूम (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 10।
- **गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल**: दीघा (जिला पूर्वी मिदनापुर) 10, सागर आइलैंड PTO (जिला दक्षिण 24 परगना) 9, बसीरहाट (PT) (जिला उत्तरी 24 परगना) 7, कोंटाई (जिला पूर्वी मिदनापुर) 7।
- **तटीय कर्नाटक**: येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़) 7।

अनुलग्नक II

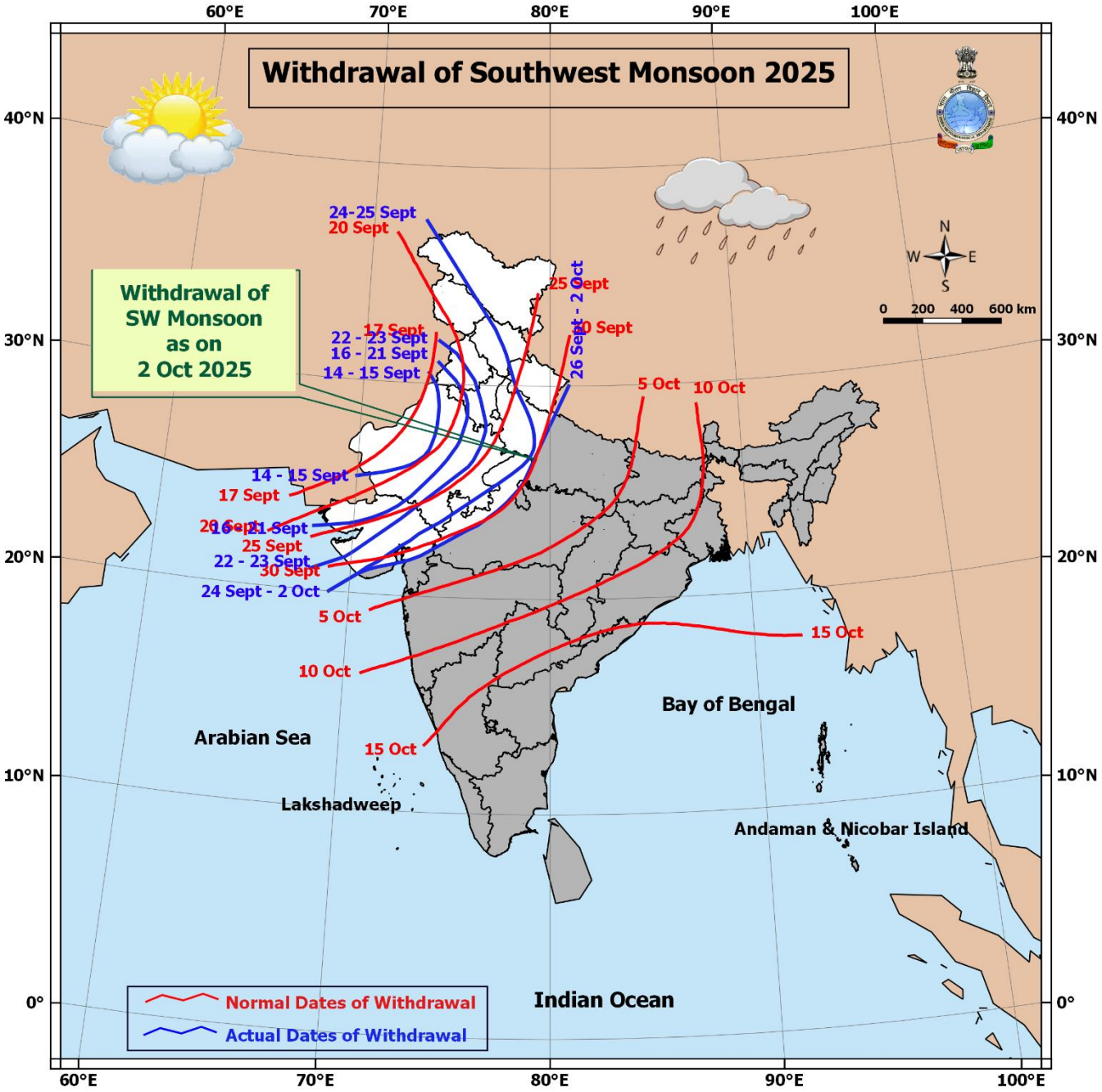
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 2 Oct 2025
24-25 Sept
20 Sept
25 Sept
26 Sept - 2 Oct
17 Sept
22 - 23 Sept
16 - 21 Sept
14 - 15 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
14 - 15 Sept
17 Sept
20 Sept
16 - 21 Sept
25 Sept
22 - 23 Sept
30 Sept
24 Sept - 2 Oct
5 Oct
10 Oct
15 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
N
S
E
W
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Oct	3- Oct	4- Oct	5- Oct	6- Oct	7- Oct	8- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
9	BIHAR	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	SCT	SCT	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	WS	FWS	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	WS	FWS	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	WS	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	SCT	FWS	WS	WS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	FWS	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

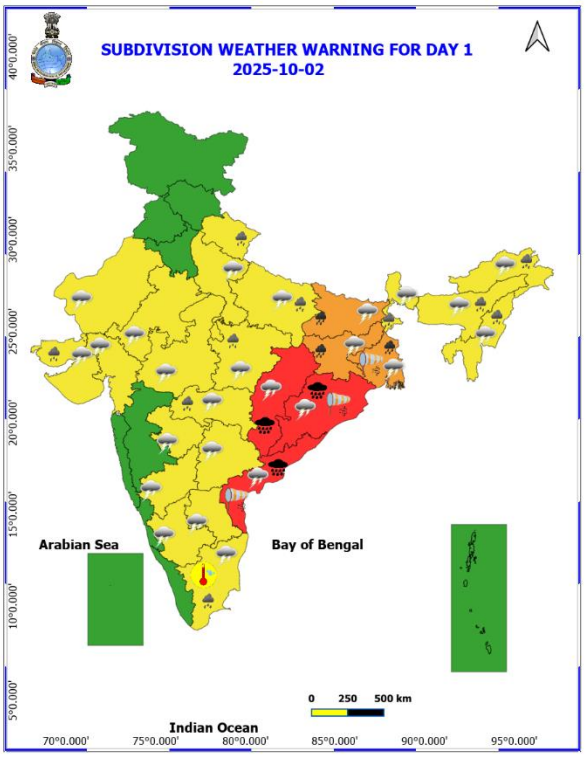
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

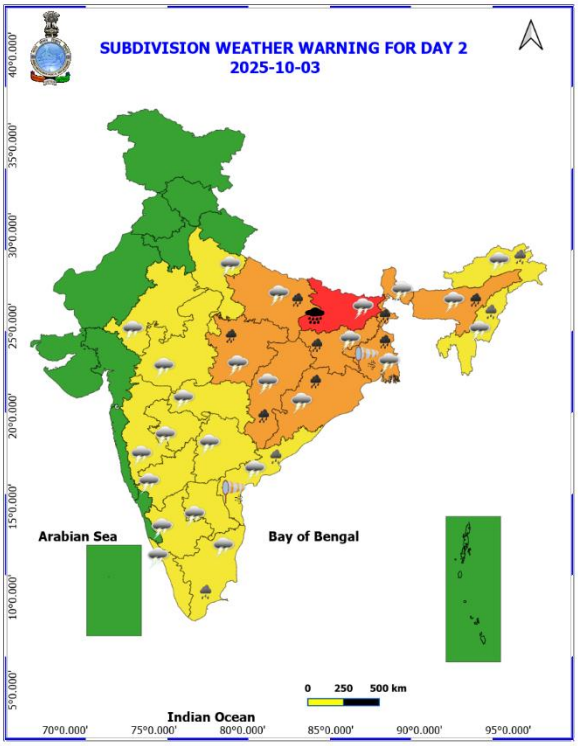
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

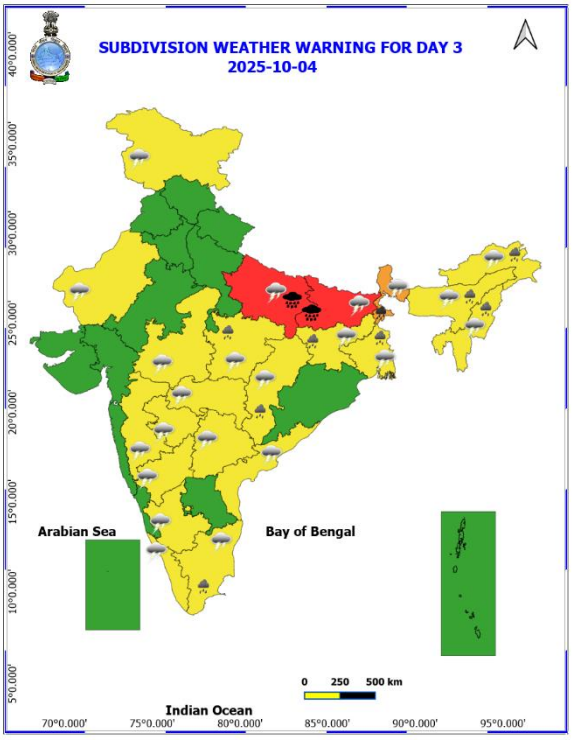
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

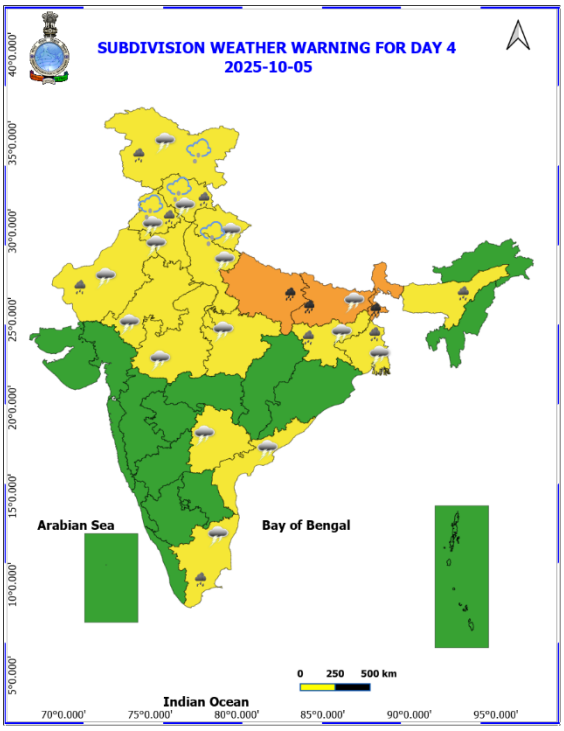

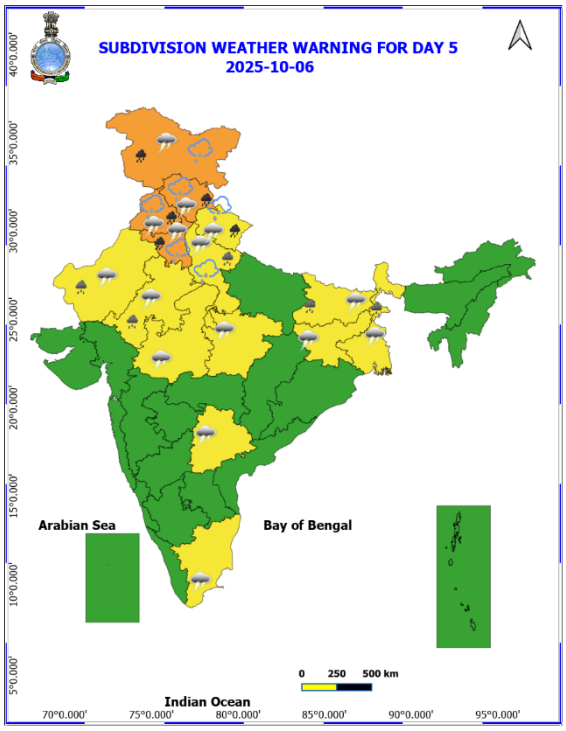

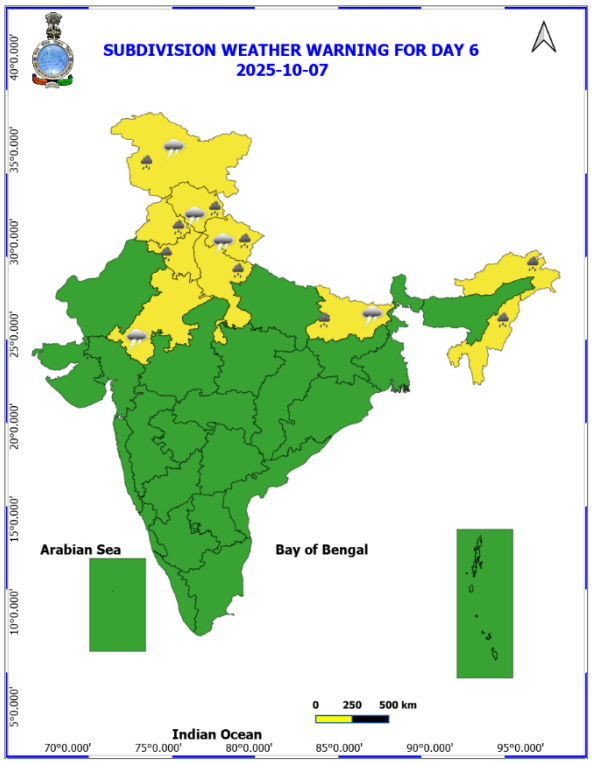

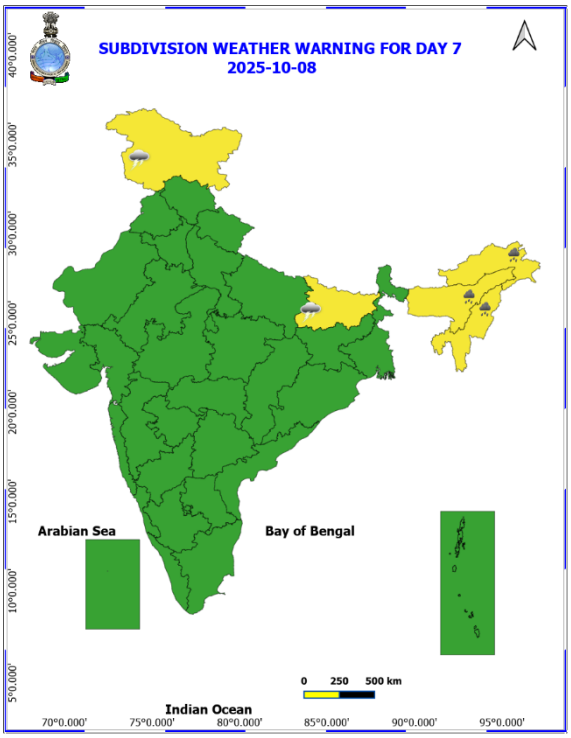

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 02 से 05 अक्टूबर 2025 तक मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की कमी देखी गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 32 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस ऊपर और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस नीचे था। पिछले 24 घंटों में सामान्य रूप से बादल छाए रहे और मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक की गति वाली सतही हवाएँ चलीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में सामान्य रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा से कम गति की हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

02.10.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम की ओर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ तूफान/बिजली की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से दोपहर के समय 10-15 किमी/घंटा की गति वाली सतही हवाएँ चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

03.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस ऊपर और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से सुबह के समय 10-15 किमी/घंटा की गति वाली सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

04.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस ऊपर और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहेगा। मुख्य रूप से पूर्व दिशा से सुबह के समय 05-10 किमी/घंटा की गति वाली सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

05.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस ऊपर और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से सुबह के समय 10-15 किमी/घंटा की गति वाली सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 02 अक्टूबर को छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 03 और 04 अक्टूबर को बिहार में; 04 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी)** की संभावना है।

- 02 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 02 और 03 अक्टूबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में; 03 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 03 से 05 अक्टूबर तक पूर्वी उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 02 से 05 अक्टूबर तक बिहार में; 03 अक्टूबर को असम और मेघालय में; 06 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर **बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी)** की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **ओडिशा** में, धान, रागी, मक्का, दालों, मूंगफली, कपास, तिल एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी सुनिश्चित करें। मिर्च, भिंडी और बैंगन जैसी सब्ज़ियों की नर्सरी को प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, इलायची एवं मिर्च (डल्ले खुर्सानी) की परिपक्व फसलों और कीवी के पके हुए फलों की कटाई करें और नुकसान से बचाव हेतु उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। धान, उड़द, मूंग, अदरक एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें। **गांगेय पश्चिम बंगाल** में, धान, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों और पान के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- **झारखंड** में, धान, मक्का, रागी और दलहनी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **बिहार** में, धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, मक्के की पकी हुई फसल को तुरंत काट लें और नुकसान से बचने के लिए उसे सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, अरहर, उड़द, मक्का और सोयाबीन के खेतों में पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं रखें। कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- **पूर्वी मध्य प्रदेश** में, मक्का और सोयाबीन की कटी हुई फसल को नुकसान से बचाव हेतु सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, धान, मक्का, अरहर, उड़द, कपास, गन्ना, मूंगफली, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, सुपारी, केला, कॉफी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- **अरुणाचल** प्रदेश में, धान, मक्का, सब्ज़ियों और रागी जैसी परिपक्व फ़सलों की कटाई करें और नुकसान से बचाव हेतु उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। पहले से बोई / रोपी गई मटर और गोभी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **असम** में, साली धान, उड़द, मूंग और सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी वर्षा के दौरान पत्तागोभी की बुवाई और फूलगोभी की रोपाई न करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

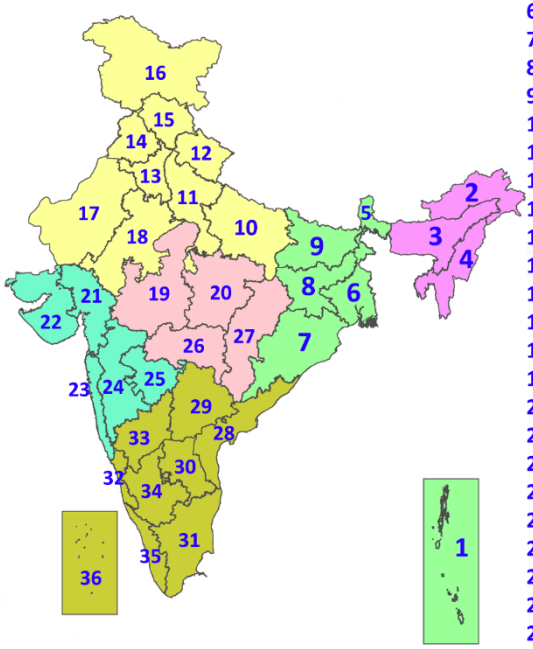

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)